an>

Title: Need to permit Ayush doctors to practice Allopathy after one-year certificate course in Allopathy.

श्री कपिल मोरेश्वर पाटील (भिवंडी) ः आज देश के जिला स्तर के अस्पतालों व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, उपकेन्द्रों में डॉक्टरों, नर्सों और सपोर्ट स्टाफ की भारी कमी है, जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में बीमारी व तपेदिक के कारण मृत्यु दर में वृद्धि हो रही है। यदि इसकी समय पर रोकथाम नहीं की गई तो इसके परिणामस्वरूप देश की गरीब जनता को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि नई स्वास्थ्य नीति के अंतर्गत आयुष डॉक्टरों को एक साल का सर्टीफिकेट कोर्स (एलोपैथी) में कराकर, आयुष डॉक्टरों को एलोपैथी इलाज का अधिकार देते हुए सैन्य अस्पतालों, जिला अस्पतालों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में नियुक्त किया जाए जिससे देश की ग्रामीण जनता को स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध कराई जा सके।